Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 3-2018/Ext.] CHANDIGARH, TUESDAY, JANUARY 9, 2018 (PAUSA 19, 1939 SAKA)

हरियाणा सरकार

आबकारी तथा कराधान विभाग

अधिसूचना

दिनांक 09 जनवरी, 2018

संख्या 05/एस०टी०–2.– हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19), की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, हरियाणा माल और सेवा कर नियम, 2017, को आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :–

1. ये नियम हरियाणा माल और सेवा कर (संशोधन) नियम, 2018 कहे जा सकते हैं।

2. हरियाणा माल और सेवा कर नियम, 2017 (जिन्हें, इसमें, इसके बाद, उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 17 में, उपनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:–

''(1क) केन्द्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का केन्द्रीय अधिनियम 12) के अधीन प्रदान की गई विशिष्ट पहचान संख्या हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 19) के अधीन प्रदान की गई समझी जाएगी।''।

3. उक्त नियमों में, नियम 19 में, उपनियम (1) पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:–

''(1क) उपनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन का कोई ब्योरा, जो अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से आयुक्त के आदेश के सिवाय और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो आयुक्त उक्त आदेश में विनिर्दिष्ट करे, सामान्य पोर्टल पर प्ररूप जीएसटीआरईजी–14 में आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि से पूर्व की तिथि से संशोधित नहीं किया जाएगा।''।

4. उक्त नियमों में, नियम 89 में, उपनियम (4) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा तथा 23 अक्तूबर, 2017 से प्रतिस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात्:–

''(4) एकीकृत माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का केन्द्रीय अधिनियम 13) की धारा 16 की उपधारा (3) के उपबंधों के अनुसार बंधपत्र या परिवचन पत्र के अधीन कर का भुगतान किए बिना माल या सेवाओं या दोनों की शून्य दर प्रदाय की दशा में, इनपुट कर प्रत्यय का प्रतिदाय निम्नलिखित सूत्र के अनुसार दिया जाएगा,–

प्रतिदाय की राशि = (माल की शून्य दर प्रदाय का आवर्त + सेवाओं की शून्य दर प्रदाय का आवर्त) X शुद्ध आई टी सी ÷ समायोजित कुल आवर्त

जहां,–

(अ) ''प्रतिदाय की राशि'' से अभिप्राय है, अधिकतम प्रतिदाय जो अनुज्ञेय हो;

(आ) ''शुद्ध आई टी सी'' से अभिप्राय है, ऐसे उपभोग किए गए इनपुट कर प्रत्यय, जिसके लिए उपनियम (4 क) या उपनियम (4 ख) या दोनों के अधीन प्रतिदाय का दावा किया गया है, से भिन्न सुसंगत अवधि के दौरान इनपुटों और इनपुट सेवाओं पर उपभोग किया गया इनपुट कर प्रत्यय;

(इ) ''माल की शून्य दर प्रदाय के आवर्त'' से अभिप्राय है, ऐसे प्रदायों के आवर्त से भिन्न, जिसके संबंध में उपनियम (4 क) या उपनियम (4 ख) या दोनों के अधीन प्रतिदाय का दावा किया गया है, बंधपत्र या परिवचन पत्र के अधीन कर के भुगतान के बिना सुसंगत अवधि के दौरान किए गए माल की शून्य दर प्रदाय का मूल्य;

(ई) ''सेवाओं की शून्य दर प्रदाय के आवर्त'' से अभिप्राय है, बंधपत्र या परिवचन पत्र के अधीन कर भुगतान किए बिना निम्नलिखित रीति में संगणित किए गए सेवाओं की शून्य दर प्रदाय का मूल्य, अर्थात्:–

सेवाओं का शून्य दर प्रदाय, सेवाओं के शून्य दर प्रदाय के लिए सुसंगत अवधि के दौरान प्राप्त भुगतानों और सेवाओं का शून्य दर प्रदाय, जहां प्रदाय पूर्ण हो गया है जिसके लिए सुसंगत अवधि से पूर्व किसी अवधि में अग्रिम में भुगतान प्राप्त हुआ था, उक्त भुगतान में से सेवाओं का शून्य दर प्रदाय, जिसके लिए सुसंगत अवधि के दौरान सेवाओं का प्रदाय पूर्ण नहीं हुआ है, के लिए प्राप्त अग्रिमों को घटाने के बाद शेष भुगतानों का कुलयोग होगा।'';

(उ) ''समायोजित कुल आवर्त'' से अभिप्राय है, सुसंगत अवधि के दौरान,–

(क) शून्य दर प्रदायों से भिन्न छूट प्राप्त प्रदायों का मूल्य ; और

(ख) ऐसे प्रदायों का आवर्त, जिसके संबंध में उपनियम (4 क) या (4 ख) या दोनों के अधीन प्रतिदाय का दावा, यदि कोई हो, किया गया है,

को अपवर्जित करते हुए धारा 2 के खंड (112) के अधीन यथा परिभाषित राज्य का आवर्त;

(ऊ) ''सुसंगत अवधि'' से अभिप्राय है, ऐसी अवधि जिसके लिए दावा दायर किया गया है।

(4क) ऐसे प्राप्त प्रदायों की दशा में जिन पर प्रदायकर्ता ने हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 115/एसटी–2, दिनांक 18 अक्तूबर, 2017 के फायदे का उपभोग किया है, माल या सेवाओं या दोनों को शून्य दर प्रदाय बनाने में उपयोग किए गए अन्य इनपुटों या इनपुट सेवाओं के संबंध में उपभोग किए गए इनपुट कर प्रत्यय का प्रतिदाय अनुदत्त किया जाएगा।

(4ख) ऐसे प्राप्त प्रदायों की दशा में जिन पर प्रदायकर्ता ने हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 117/एसटी–2, दिनांक 24 अक्तूबर, 2017, या अधिसूचना संख्या 41/2017 – एकीकृत कर (दर), दिनांक 23 अक्तूबर, 2017, या दोनों के फायदे का उपभोग किया है, माल के निर्यात के लिए उक्त अधिसूचनाओं के अधीन प्राप्त इनपुटों के संबंध में उपभोग किए गए कर प्रत्यय का प्रतिदाय और माल का ऐसा निर्यात करने में प्रयोग की गई सीमा तक अन्य इनपुटों या इनपुट सेवाओं के संबंध में उपभोग किया गया इनपुट कर प्रत्यय अनुदत्त किया जाएगा।''।

5. उक्त नियमों में, नियम 95 में,–

(क) उपनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:–

''(1) धारा 55 के अधीन जारी अधिसूचना के अनुसार उसके आंतरिक प्रदायों पर उसके द्वारा भुगतान किए गए कर के प्रतिदाय का दावा करने के लिए पात्र कोई व्यक्ति, **प्ररूप जीएसटीआरएफडी–10** में प्रतिदाय के लिए प्रत्येक तिमाही में एक बार सामान्य पोर्टल पर या अन्यथा, इलेक्ट्रोनिक रूप से या तो प्रत्यक्षतः या आयुक्त द्वारा अधिसूचित सुविधा केन्द्र के माध्यम से **प्ररूप जीएसटीआर–11** में माल या सेवाओं या दोनों के आंतरिक प्रदायों के विवरण के साथ आवेदन करेगा।'';

(ख) उपनियम (3) में, खंड (क) में, ''और पांच हजार रूपए से अधिक भुगतान कर को छोड़ कर यदि कोई है एकल कर बीजक के अधीन आने वाले प्रदाय का मूल्य'' शब्दों का लोप कर दिया जाएगा।

6. उक्त नियमों में, नियम 96 में,–

(क) उपान्तिक शीर्षक में ''निर्यात किए गए माल'' शब्दों के पश्चात्, ''या सेवाओं'' शब्द रखे जाएंगे तथा 23 अक्तूबर, 2017 से रखे गए समझे जाएंगे; तथा

(ख) उपनियम (8) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा तथा 23 अक्तूबर, 2017 से रखा गया समझा जाएगा, अर्थात्:–

''(9) माल या सेवाओं के निर्यात पर भुगतान किए गए एकीकृत कर के प्रतिदाय का दावा करने वाले व्यक्ति ऐसे प्रदायों को प्राप्त नहीं करेगा जिन पर प्रदायकर्ता ने हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 115/एसटी–2, दिनांक 18 अक्तूबर, 2017 या हरियाणा सरकार, आबकारी तथा कराधान विभाग, अधिसूचना संख्या 117/एसटी–2, दिनांक 24 अक्तूबर, 2017 या अधिसूचना संख्या 41/2017–एकीकृत कर (दर), दिनांक 23 अक्तूबर, 2017 के फायदे का उपयोग किया है।''।

7. उक्त नियमों में, **प्ररूप जीएसटी आरईजी–10** के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:–

''प्ररूप जीएसटी आरईजी–10

[देखिए नियम 14(1)]

रजिस्ट्रीकृत व्यक्ति से भिन्न, भारत में किसी व्यक्ति को भारत से बाहर स्थान से ऑनलाइन सूचना और डाटाबेस पहुंच या पुनः प्राप्ति सेवाओं का प्रदाय करवाने वाले व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

भाग–क

(i)	व्यक्ति का विधिक नाम	
(ii)	कर पहचान संख्या या विशिष्ट संख्या जिसके आधार पर उस देश की सरकार द्वारा अस्तित्व की पहचान की गई है	
(iii)	प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम	
(iv)	प्राधिकृत हस्ताक्षरी का ई–मेल पता	
(v)	भारत में नियुक्त प्रतिनिधि का नाम, यदि कोई है (क) भारत में प्रतिनिधि का स्थाई खाता संख्या (ख) भारत में प्रतिनिधि का ई–मेल पता (ग) भारत में प्रतिनिधि का मोबाइल नं. (+91)	
टिप्पण – जहां व्यवहार्य हो, भाग – ख को भरने से पूर्व, वहां उपरोक्त प्रस्तुत सुसंगत जानकारी ऑनलाइन सत्यापन के अध्यधीन है।		

भाग–ख

1.	प्राधिकृत हस्ताक्षरी के ब्यौरे					
	प्रथम नाम		मध्य नाम		अन्तिम नाम	
	फोटो					
	लिंग				पुरूष / स्त्री / अन्य	
	पदनाम					
	जन्म की तिथि				तिथि / मास / वर्ष	
	पिता का नाम					
	राष्ट्रीयता					
	आधार, यदि कोई हो					
	प्राधिकृत हस्ताक्षरी का पता				पता पंक्ति 1	
					पता पंक्ति 2	
					पता पंक्ति 3	
2.	भारत में ऑनलाइन सेवा प्रारम्भ करने की तिथि				तिथि / मास / वर्ष	
3.	वेबसाइट, जिसके माध्यम से कराधेय सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, के एक समान स्रोत अवस्थापक (यूआरएल): 1. 2. 3.					
4.	अधिकारिता		केन्द्र		बैंगलुरू पश्चिम, सी.जी.एस.टी कमिश्नरेट	
5.	खाता संख्या		खाता का प्रकार			
	बैंक का नाम	शाखा का पता			आइएफएससी	

6.	अपलोड किए गए दस्तावेज प्ररूप में भरे गए मूल्यों के अनुसार अपलोड किए जाने वाले अपेक्षित दस्तावेजों (अनुदेश निर्दिष्ट करें) की अनुकूल सूची
7.	घोषणा मैं, इसके द्वारा, सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं और घोषणा करता हूं कि इसमें ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है तथा इसमें कोई भी बात छिपाई नहीं गई है। मै ..... यह घोषणा करता हूं कि मैं रजिस्टरकर्ता की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत हूं। मैं कराधेय राज्यक्षेत्र में अवस्थित गैर–निर्धारित ऑनलाइन प्राप्तिकर्ता से कर प्रभारित और संगृहीत करूंगा और उसे भारत सरकार के पास जमा करवाउंगा । हस्ताक्षर स्थानः प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम तिथिः पदनामः

टिप्पणः आवेदक से पासपोर्ट और फोटो की स्कैन की गई प्रति के साथ घोषणा (अधोवर्णित रूप विधान के अनुसार) अपलोड करने की अपेक्षा की जाएगी।

साक्ष्य के रूप में अपलोड किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची निम्नानुसार है :–

1.	भारत में प्रतिनिधि के कारबार के स्थान का सबूतः (क) स्वयं के परिसरों के लिए– परिसरों के स्वामित्व के समर्थन में कोई दस्तावेज जैसे नवीनतम संपत्ति कर रसीद या नगरपालिका खाते की प्रति या बिजली के बिल की प्रति। (ख) किराए पर या पट्टे पर लिए गए परिसरों के लिए– पट्टाकर्ता के परिसरों के स्वामित्व के समर्थन में किसी दस्तावेज सहित विधिमान्य किराया/पट्टा करार की प्रति जैसे नवीनतम संपत्ति कर रसीद या नगरपालिका खाते की प्रति या बिजली के बिल की प्रति। (ग) उपरोक्त (क) और (ख) के अन्तर्गत न आने वाले परिसरों के लिए– सहमतिदाता के परिसरों के स्वामित्व के समर्थन में किसी दस्तावेज सहित सहमतिपत्र की प्रति/सांझा की गई संपत्तियों के लिए भी इन्हीं दस्तावेजों को अपलोड किया जाए जैसे नगरपालिका खाता की प्रति या बिजली के बिल की प्रति।
2.	निम्नलिखित के सबूतः वीजा ब्यौरों के साथ अनिवासी करदाता के पासपोर्ट की स्कैन की गई प्रति। कंपनी/सोसाइटी/एलएलपी/एफसीएनआर आदि के मामले में ऐसा व्यक्ति, जो प्राधिकार पत्र के साथ मुख्तारनामा धारण करता है। निगमन के प्रमाणपत्र की स्कैन की गई प्रति यदि कंपनी भारत से बाहर या भारत में रजिस्ट्रीकृत है। मूल देश द्वारा जारी अनुज्ञप्ति की स्कैन की गई प्रति। भारत सरकार द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र की स्कैन की गई प्रति।
3.	बैंक खाते से सम्बद्ध सबूतः बैंक पासबुक के पहले पृष्ठ/बैंक विवरण के एक पृष्ठ की स्कैन की गई प्रति। स्वत्वधारी /कारबार समुत्थान के नाम में धारित बैंक पासबुक का आरंभिक पृष्ठ, जिसमें खाता धारक का खाता संख्या, नाम, एमआइसीआर और आइएफएससी तथा शाखा के ब्यौरे अन्तर्विष्ट हों।
4.	भारत में प्रतिनिधि के रूप में नियुक्ति से संबंधित दस्तावेजों की स्कैन कापी, यदि लागू हो।

5. प्राधिकार प्ररूपः–

आवेदन प्ररूप में उल्लिखित हस्ताक्षरी के लिए, निम्नलिखित रूप विधान में फाइल की जाने वाली प्रबंध समिति या निदेशक बोर्ड के प्राधिकार या उसके संकल्प की प्रतिः

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के लिए घोषणा (प्रत्येक हस्ताक्षरी के लिए अलग से)

मै ..... (प्रबंध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी या मुख्तारनामा धारक), इसके द्वारा, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं और यह घोषणा करता हूं कि कारबार <<कारबार का नाम>> जिसके लिए आरईजी का आवेदन हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के अधीन फाइल किया जा रहा है/रजिस्ट्रीकृत है, के लिए प्राधिकृत हस्ताक्षरी के रूप में कार्य करने के लिए <<प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम>> प्राधिकृत हूं।

इस कारबार के सम्बन्ध में उसकी सभी कार्रवाईयां मुझ पर/हम पर आबद्ध होंगी।

उन व्यक्तियों के हस्ताक्षर, जो भारसाधक हैं।

क्रम संख्या	पूरा नाम पदाभिधान/हैसियत	हस्ताक्षर
1.		

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के रूप में स्वीकृति

मैं <<प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम>>, इसके द्वारा, ऊपर निर्दिष्ट कारबार के लिए प्राधिकृत हस्ताक्षरी के रूप में कार्य करने की अपनी स्वीकृति सत्यनिष्ठा से देता हूं और मेरे सभी कार्य कारबार पर आबद्ध होंगे।

प्राधिकृत हस्ताक्षरी के हस्ताक्षर

स्थान : (नाम)

तारीख : पदनाम/हैसियत

अनुदेश–

1. यदि प्राधिकृत हस्ताक्षरी भारत में नहीं रहता है, तो डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के माध्यम से प्रमाणीकरण ऐसे व्यक्तियों के लिए अनिवार्य नहीं होगा। प्रमाणीकरण इलैक्ट्रोनिक वेरीफिकेशन कोड (ई०वी०सी०) के माध्यम से किया जाएगा।

2. भारत में नियुक्त प्रतिनिधि का वही अर्थ होगा जो एकीकृत माल और सेवाकर अधिनियम, 2017 (2017 का केन्द्रीय अधिनियम 13) की धारा 14 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट है।''।

8. उक्त नियमों में, **प्ररूप जीएसटी आरईजी–13** में,–

(क) भाग–ख में, क्रम संख्या–4 में, ''राज्य में संख्या का पता'' शब्दों के स्थान पर, ''अस्तित्व का पता, जिसके संबंध में केन्द्रीयकृत यू.आई.एन. मांगा गया है'' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(ख) अनुदेशों में, ''प्रत्येक व्यक्ति, जिससे विशिष्ट पहचान संख्या अभिप्राप्त करने की अपेक्षा है, इलैक्ट्रोनिकी रूप से आवेदन प्रस्तुत करेगा'' शब्दों के स्थान पर, ''प्रत्येक व्यक्ति, जिससे विशिष्ट पहचान संख्या प्राप्त करने की अपेक्षा की गई है, इलैक्टोनिकी रूप से या अन्यथा से आवेदन प्रस्तुत करेगा।''।

9. उक्त नियमों में, **प्ररूप जीएसटीआर–11** के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररूप प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:–

"प्ररूप जीएसटीआर–11

[देखिए नियम 82]

विशिष्ट पहचान संख्या (यूआईएन) वाले व्यक्तियों द्वारा आवक प्रदाय का विवरण

वर्ष				
कर अवधि				

1	यू आई एन															
2	यू आई एन वाले व्यक्ति का नाम	Auto Populated														

3. प्राप्त आवक प्रदाय के ब्यौरे

(सभी सारणी के लिए राशि रूपये में)

प्रदायकर्ता का जीएसटीआईएन	बीजक/नामे नोट/जमापत्र के ब्यौरे			दर	कराधेय मूल्य	कर की राशि				प्रदाय का स्थान
	संख्या	तिथि	मूल्य			एकीकृत कर	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कर	उपकर	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3 क. प्राप्त बीजक										
3 ख. प्राप्त नामे नोट/जमापत्र										

सत्यापन

मैं, इसके द्वारा, सत्यानिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं और घोषणा करता हूं कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

हस्ताक्षर .....

स्थानः प्राधिकृत हस्ताक्षरी का नाम .....

तिथिः पदनाम/हैसियत .....

अनुदेश –:

1. प्रयुक्त शब्द :–

(क) जीएसटीआईएन :– माल और सेवा कर पहचान संख्या

(ख) यूआईएन :– विशिष्ट पहचान संख्या

2. प्रतिदाय आवेदन उसी राज्य मे फाइल करना होगा, जहां विशिष्ट पहचान संख्या दी गयी है ।

3. प्रतिदाय प्रयोजन के लिए केवल वही बीजक प्रविष्ट किए जा सकेंगे जिन पर प्रतिदाय मांगा गया है । "।

10. उक्त नियमों में, **प्ररूप जीएसटी आरएफडी–10** के स्थान पर, निम्नलिखित प्ररुप प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:–

"प्ररूप जीएसटी आरएफडी–10

[देखिए नियम 95(1)]

संयुक्त राष्ट्र का कोई विशिष्ट अभिकरण या कोई बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास द्वारा प्रतिदाय के लिए आवेदन

1. यूनिक पहचान संख्या :
2. नाम :
3. पता :
4. कर अवधि (तिमाही) : दिन /मास /वर्ष से तक .....<दिन/मास/वर्ष >
5- एआरएन और जीएसटीआर–11 की तिथि : एआरएन <.....> < दिन /मास/वर्ष >
6. दावा प्रतिदाय की राशि <आई एन आर> < शब्दों में>

राज्य	केन्द्रीय कर	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र कर	एकीकृत कर	उपकर
कुल				

7. बैंक खाते का ब्यौरा :
   (क) बैंक खाता संख्या
   (ख) बैंक खाते का प्रकार
   (ग) बैंक का नाम
   (घ) खाता धारक/ संचालक का नाम
   (ड.) बैंक शाखा का पता
   (च) आई एफ एस सी
   (छ) एम आई सीआर
8. सत्यापन

   मैं,.....<<दूतावास/अंतर्राष्ट्रीय संगठन का नाम>> का प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में, इसके द्वारा, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूं और घोषणा करता हूं कि उपर दी गई जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास से सत्य और सही है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

   यह कि हम सरकार द्वारा अधिसूचित संयुक्त राष्ट्र का विशिष्ट अभिकरण, बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान और संगठन, कान्सुलेट या विदेशी राज्यों के दूतावास कोई अन्य व्यक्ति विशिष्ट व्यक्तियों का वर्ग के रूप में ऐसे प्रतिदाय दावा के पात्र हैं।

स्थान : प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

तिथि : (नाम)

पदनाम/हैसियत

अनुदेश –

1. प्रतिदाय के लिए आवेदन तिमाही आधार पर किया जाएगा।
2. सारणी संख्या 6, जीएसटीआर–11 की सारणी 3 में दिए गए ब्यौरे से स्वतः भरी जाएगी।
3. प्रतिदाय राशि को पात्रता के अनुसार बदलने की सुविधा होगी।
4. एमईए द्वारा जारी अपेक्षित प्रमाणपत्र, जिनमें प्रतिदाय की सुविधा अनुदत्त की गई है, को समुचित अधिकारी के समक्ष प्रतिदाय दावा प्रंसस्करण करने हेतु उपलब्ध करवाया जाएगा ।

11. उक्त नियमों में, **प्ररूप जीएसटी डीआरसी –07** में, सारणी में, क्रम संख्या 5 का लोप कर दिया जाएगा ।

संजीव कौशल,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
आबकारी तथा कराधान विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

Notification

The 9th January, 2018

No. 05/ST-2.— In exercise of the powers conferred by Section 164 of the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017 (19 of 2017), the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Haryana Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:-

1. These rules may be called the Haryana Goods and Services Tax (Amendment) Rules, 2018.

2. In the Haryana Goods and Services Tax Rules, 2017 (herein after called the said rules), in rule 17, after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

"(1A) The Unique Identity Number granted under the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (Central Act 12 of 2017) shall be deemed to be granted under the Haryana Goods and Services Tax Act, 2017.".

3. In the said rules, in rule 19, after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted, namely:-

"(1A) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), any particular of the application for registration shall not stand amended with effect from a date earlier than the date of submission of the application in **FORM GST REG-14** on the common portal except with the order of the Commissioner for reasons to be recorded in writing and subject to such conditions as the Commissioner may, in the said order, specify.".

4. In the said rules, in rule 89, for sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 23rd October, 2017, namely:-

"(4) In the case of zero-rated supply of goods or services or both without payment of tax under bond or letter of undertaking in accordance with the provisions of sub-section (3) of section 16 of the Integrated Goods and Services Tax Act, 2017 (13 of 2017), refund of input tax credit shall be granted as per the following formula –

Refund Amount = (Turnover of zero-rated supply of goods + Turnover of zero-rated supply of services) x Net ITC ÷Adjusted Total Turnover

Where, -

(A) "Refund amount" means the maximum refund that is admissible;

(B) "Net ITC" means input tax credit availed on inputs and input services during the relevant period other than the input tax credit availed for which refund is claimed under sub-rules (4A) or (4B) or both;

(C) "Turnover of zero-rated supply of goods" means the value of zero-rated supply of goods made during the relevant period without payment of tax under bond or letter of undertaking, other than the turnover of supplies in respect of which refund is claimed under sub-rules (4A) or (4B) or both;

(D) "Turnover of zero-rated supply of services" means the value of zero-rated supply of services made without payment of tax under bond or letter of undertaking, calculated in the following manner, namely:-

Zero-rated supply of services is the aggregate of the payments received during the relevant period for zero-rated supply of services and zero-rated supply of services where supply has been completed for which payment had been received in advance in any period prior to the relevant period reduced by advances received for zero-rated supply of services for which the supply of services has not been completed during the relevant period;

(E) "Adjusted Total turnover" means the turnover in the State, as defined under clause (112) of section 2, excluding –

(a) the value of exempt supplies other than zero-rated supplies and

(b) the turnover of supplies in respect of which refund is claimed under sub-rules (4A) or (4B) or both, if any,

during the relevant period;

(F) "Relevant period" means the period for which the claim has been filed.

(4A) In the case of supplies received on which the supplier has availed the benefit of Haryana Government, Excise and Taxation Department, notification No. 115/ST-2, dated the 18th October, 2017, refund of input tax credit availed in respect of other inputs or input services used in making zero-rated supply of goods or services or both shall be granted.

(4B) In the case of supplies received on which the supplier has availed the benefit of Haryana Government, Excise and Taxation Department, notification No. 117/ST-2, dated the 24th October, 2017, or notification No. 41/2017-Integrated Tax (Rate) dated 23rd October, 2017, or both, refund of input tax credit availed in respect of inputs received under the said notifications for export of goods and the input tax credit availed in respect of other inputs or input services to the extent used in making such export of goods shall be granted.".

5. In the said rules, in rule 95,-

(a) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:-

"(1) Any person eligible to claim refund of tax paid by him on his inward supplies as per notification issued under section 55 shall apply for refund in **FORM GST RFD-10** once in every quarter, electronically on the common portal or otherwise, either directly or through a Facilitation Centre notified by the Commissioner, along with a statement of the inward supplies of goods or services or both in **FORM GSTR-11.**";

(b) in sub-rule (3), in clause (a), the words "and the price of the supply covered under a single tax invoice exceeds five thousand rupees, excluding tax paid, if any" shall be omitted.

6. In the said rules, in rule 96, –

(a) in the heading, after the words "paid on goods", the words "or services" shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 23rd October, 2017;

(b) after sub-rule (8), the following sub-rule shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the 23rd October, 2017, namely:-

"(9) The persons claiming refund of integrated tax paid on export of goods or services should not have received supplies on which the supplier has availed the benefit of Haryana Government, Excise and Taxation Department, notification No. 115/ST-2, dated the 18th October, 2017, or notification No. 117/ST-2, dated the 24th October, 2017, or notification No. 41/2017-Integrated Tax (Rate) dated 23rd October, 2017.".

7. In the said rules, for **FORM GST REG-10**, the following form shall be substituted, namely:-

"**Form GST REG-10**

[See rule 14(1)]

Application for registration of person supplying online information and data base access or retrieval services from a place outside India to a person in India, other than a registered person.

Part –A

(i)	Legal name of the person	
(ii)	Tax identification number or unique number on the basis of which the entity is identified by the Government of that country	
(iii)	Name of the Authorised Signatory	
(iv)	Email Address of the Authorised Signatory	
(v)	Name of the representative appointed in India, if any	
	(a) Permanent Account Number of the representative in India	
	(b) Email Address of the representative in India	
	(c) Mobile Number of the representative in India (+91)	

Note*- Relevant information submitted above is subject to online verification, where practicable, before proceeding to fill up Part-B.*

Part -B

<table>
<tr><td rowspan="11">1.</td><td colspan="5">Details of Authorised Signatory</td></tr>
<tr><td>First Name</td><td colspan="2">Middle Name</td><td colspan="2">Last Name</td></tr>
<tr><td>Photo</td><td colspan="4"></td></tr>
<tr><td colspan="3">Gender</td><td colspan="2">Male / Female / Others</td></tr>
<tr><td colspan="3">Designation</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="3">Date of Birth</td><td colspan="2">DD/MM/YYYY</td></tr>
<tr><td colspan="3">Father’s Name</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="3">Nationality</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="3">Aadhaar, if any</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td colspan="3" rowspan="3">Address of the Authorised Signatory</td><td colspan="2">Address line 1</td></tr>
<tr><td colspan="2">Address line 2</td></tr>
<tr><td colspan="2">Address line 3</td></tr>
<tr><td>2.</td><td colspan="3">Date of commencement of the online service in India.</td><td colspan="2">DD/MM/YYYY</td></tr>
<tr><td>3</td><td colspan="5">Uniform Resource Locators (URLs) of the website through which taxable services are provided:
1.
2.
3.</td></tr>
<tr><td>4</td><td>Jurisdiction</td><td colspan="2">Center</td><td colspan="2">Bengaluru West, CGST Commissionerate</td></tr>
<tr><td rowspan="3">5</td><td colspan="6">Details of Bank Account of representative in India (if appointed)</td></tr>
<tr><td>Account Number</td><td colspan="2"></td><td>Type of account</td><td colspan="2"></td></tr>
<tr><td>Bank Name</td><td></td><td>Branch Address</td><td></td><td colspan="2">IFSC</td></tr>
<tr><td>6</td><td colspan="6">Documents Uploaded
A customized list of documents required to be uploaded (refer Instruction) as per the field values in the form</td></tr>
</table>

7	Declaration *I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.* *I, _ …… hereby declare that I am authorised to sign on behalf of the Registrant.* *I would charge and collect tax liable from the non-assesse online recipient located in taxable territory and deposit the same with Government of India.* Signature Place: Name of Authorised Signatory: Date: Designation:

Note: Applicant will require to upload declaration (as per under mentioned format) along with scanned copy of the passport and photograph.

List of documents to be uploaded as evidence are as follows:-

1.	Proof of Place of Business of representative in India, if any: (a) For own premises – Any document in support of the ownership of the premises like Latest Property Tax Receipt or Municipal Khata copy or copy of Electricity Bill. (b) For Rented or Leased premises – A copy of the valid Rent / Lease Agreement with any document in support of the ownership of the premises of the Lessor like Latest Property Tax Receipt or Municipal Khata copy or copy of Electricity Bill. (c) For premises not covered in (a) and (b) above – A copy of the Consent Letter with any document in support of the ownership of the premises of the Consenter like Municipal Khata copy or Electricity Bill copy. For shared properties also, the same documents may be uploaded.
2.	Proof of : Scanned copy of the passport of the Non -resident tax payer with VISA details. In case of Company/Society/LLP/FCNR/ etc. person who is holding power of attorney with authorisation letter. Scanned copy of Certificate of Incorporation if the Company is registered outside India or in India Scanned copy of License is issued by origin country Scanned copy of Clearance certificate issued by Government of India
3	Bank Account Related Proof: Scanned copy of the first page of Bank passbook / one page of Bank Statement Opening page of the Bank Passbook held in the name of the Proprietor / Business Concern – containing the Account No., Name of the Account Holder, MICR and IFSC and Branch details.
4.	Scanned copy of documents regarding appointment as representative in India, if applicable

5.	Authorisation Form:- For Authorised Signatory mentioned in the application form, Authorisation or copy of Resolution of the Managing Committee or Board of Directors to be filed in the following format: Declaration for Authorised Signatory (Separate for each signatory) I ---(Managing Director/Whole Time Director/CEO or Power of Attorney holder) hereby solemnly affirm and declare that <<name of the authorised signatory>> to act as an authorised signatory for the business << Name of the Business>> for which application for registration is being filed/ is registered under the Haryana Goods and Service Tax Act, 2017. All his actions in relation to this business will be binding on me/ us. Signatures of the persons who is in charge. S. No. Full Name Designation/Status Signature 1. Acceptance as an authorised signatory I <<(Name of authorised signatory>> hereby solemnly accord my acceptance to act as authorised signatory for the above referred business and all my acts shall be binding on the business. Signature of Authorised Signatory Place (Name) Date: Designation/Status

Instructions –

1. If authorised signatory is not based in India, authentication through digital signature certificate shall not be mandatory for such persons. The authentication will be done through Electronic Verification Code (EVC).

2. Appointed representative in India shall have the meaning as specified under section 14 of Integrated Goods and Services Tax Act, 2017.".

8. In the said rules, in **FORM GST REG-13**,-

(a) in **PART-B**, at serial no. 4, for the words, "Address of the entity in State" the words, "Address of the entity in respect of which the centralized UIN is sought" shall be substituted;

(b) in the Instructions, for the words, "Every person required to obtain a unique identity number shall submit the application electronically" the words, "Every person required to obtain a unique identity number shall submit the application electronically or otherwise." shall be substituted.

9. In the said rules, for **FORM GSTR-11**, the following form shall be substituted, namely:-

"Form GSTR -11

[See rule 82]

Statement of inward supplies by persons having Unique Identification Number (UIN)

Year	
Tax Period	

1.	UIN																
2.	Name of the person having UIN	Auto populated															

3. **Details of inward supplies received**

(Amount in Rs. for all Tables)

GSTIN of supplier	Invoice/Debit Note/Credit Note details			Rate	Taxable value	Amount of tax				Place of Supply
	No	Date	Value			Integrated tax	Central Tax	State/ UT Tax	CESS	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
3A. Invoices received										
3B. Debit/Credit Note received										

Verification

I hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

Place

Signature

Name of Authorised Signatory

Date

Designation /Status

Instructions:-

1. Terms Used:-
   a. GSTIN :- Goods and Services Tax Identification Number
   b. UIN :- Unique Identity Number

2. Refund applications has to be filed in the same State in which the Unique Identity Number has been allotted.

3. For refund purposes only those invoices may be entered on which refund is sought.".

10. In the said rules, for **FORM GST RFD-10**, the following form shall be substituted, namely:-

"FORM GST RFD-10

[See rule 95(1)]

Application for Refund by any specialized agency of UN or any Multilateral Financial Institution and Organization, Consulate or Embassy of foreign countries, etc.

1. UIN :
2. Name :
3. Address :
4. Tax Period (Quarter) : From <DD/MM/YY> to <DD/MM/YY>
5. ARN and date of GSTR11 : ARN <……> Date <DD/MM/YY>
6. Amount of Refund Claim : <INR><In Words>

State	Central Tax	State /UT Tax	Integrated Tax	Cess
Total				

7. Details of Bank Account:
   a. Bank Account Number
   b. Bank Account Type
   c. Name of the Bank
   d. Name of the Account Holder/Operator
   e. Address of Bank Branch
   f. IFSC
   g. MICR
8. Verification

   I _____ as an authorised representative of << Name of Embassy/international organization >> hereby solemnly affirm and declare that the information given herein above is true and correct to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed therefrom.

   That we are eligible to claim such refund as specified agency of UNO/Multilateral Financial Institution and Organization, Consulate or Embassy of foreign countries/ any other person/ class of persons specified/ notified by the Government.

   Date: Signature of Authorised Signatory:

   Place: Name:

   Designation / Status

Instructions

1. Application for refund shall be filed on quarterly basis.
2. Table No. 6 will be auto-populated from details furnished in table 3 of GSTR-11.
3. There will be facility to edit the refund amount as per eligibility.
4. Requisite certificate issued by MEA granting the facility of refund shall be produced before the proper officer for processing refund claim.".

In the said rules, in **FORM GST DRC-07**, the Table at serial no. 5 shall be omitted.

SANJEEV KAUSHAL,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Excise and Taxation Department.

55902—C.S.—H.G.P., Chd.